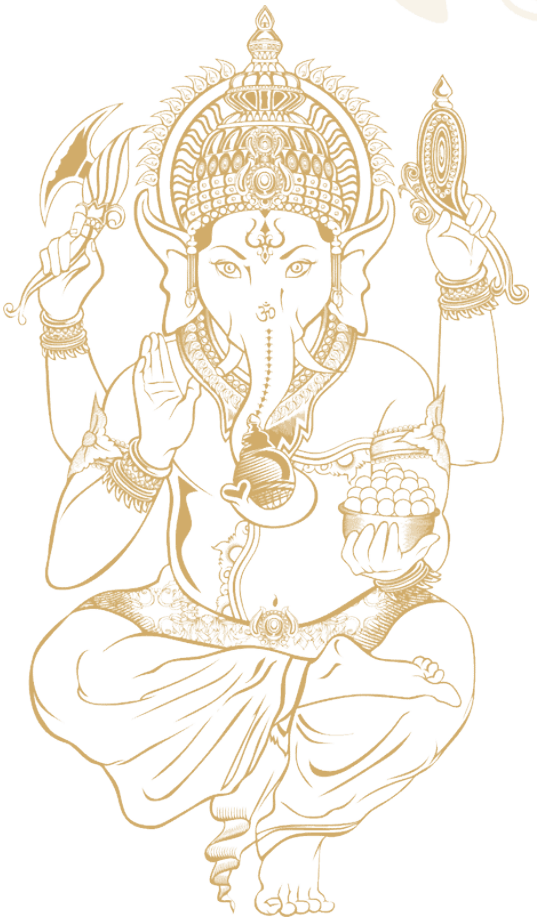

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121700002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/08/1994	जन्म तिथि	03/01/1997
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:20:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 14:45:54	जन्म समय(घटी)	28:04:28 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Ranchi
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:38	सूर्योदय	06:31:12
18:19:04	सूर्यास्त	17:15:18
23:47:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 5वर्ष 1मा 14दि	20:40:45	तुला	लग्न	मिथु	26:44:10	मंगल 0वर्ष 5मा 19दि
राहु	01:17:08	सिंह	सूर्य	धनु	19:21:04	गुरु
02/10/2022	23:15:04	धनु	चंद्र	तुला	05:46:21	24/06/2015
01/10/2040	07:09:22	मिथु	मंगल	कन्या	06:14:18	24/06/2031
राहु 14/06/2025	06:37:32	सिंह	बुध व	धनु	15:54:22	गुरु 11/08/2017
गुरु 08/11/2027	14:06:14	तुला	गुरु	मक	01:56:08	शनि 23/02/2020
शनि 14/09/2030	17:09:51	कन्या	शुक्र	वृश्चि	27:46:18	बुध 31/05/2022
बुध 02/04/2033	16:18:23	कुंभ व	शनि	मीन	07:39:03	केतु 06/05/2023
केतु 21/04/2034	25:08:23	तुला व	राहु व	कन्या	08:36:17	शुक्र 04/01/2026
शुक्र 20/04/2037	25:08:23	मेष व	केतु व	मीन	08:36:17	सूर्य 24/10/2026
सूर्य 15/03/2038	29:22:38	धनु व	हर्ष	मक	09:35:36	चन्द्र 23/02/2028
चन्द्र 14/09/2039	27:18:34	धनु व	नेप	मक	03:06:20	मंगल 29/01/2029
मंगल 01/10/2040	01:32:09	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:39:14	राहु 24/06/2031

लग्न-चलित

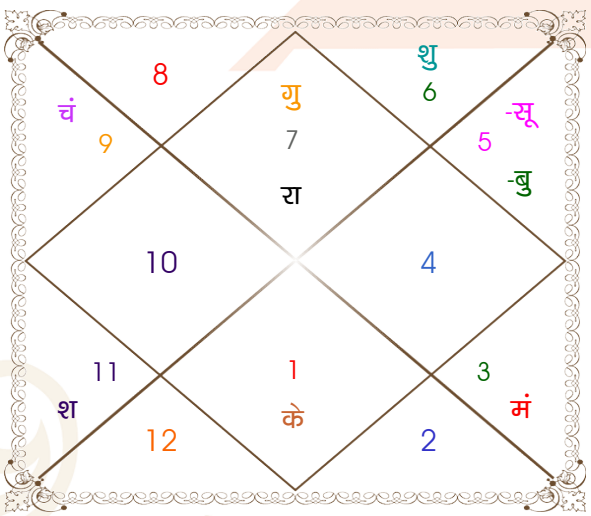

लग्न-चलित

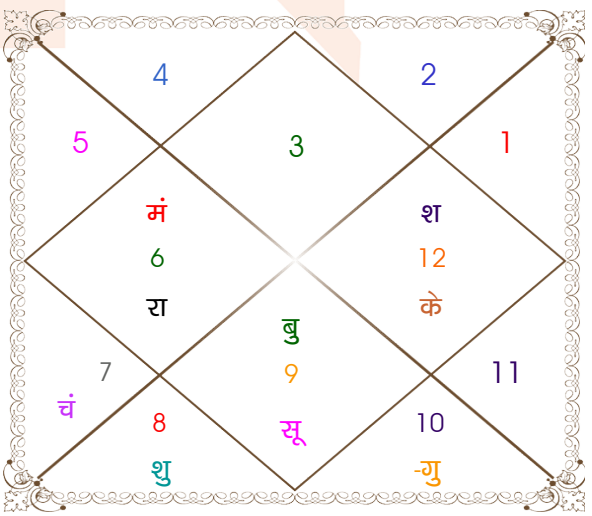

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।